एम.ए. सेमेस्टर I (संस्कृत)
प्रश्न पत्र कूट संख्या 104
प्रश्न पत्र – IV , नाटक एवं नाट्य –शास्त्र

पाठ्यक्रम

75 अंक

1. मुद्राराक्षसम् – विशाखदत्त
2. नाट्यशास्त्रम् (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय) –भरतमुनि

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम दो खण्डों तथा पाँच इकाइयो मे विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्न लिखित है –

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ –
प्रथम इकाई – मुद्राराक्षसम् नाटक – प्रथम,द्वितीय,तथा तृतीय अंक ।
द्वितीय इकाई – मुद्राराक्षसम् नाटक – चतुर्थ से सप्तम अंक तक ।
तृतीय इकाई – मुद्राराक्षसम् पर आधारित प्रश्न
चतुर्थ इकाई – नाट्य शास्त्र (अध्याय 1)
पंचम इकाई – नाट्य शास्त्र (अध्याय 2)
खण्ड–अ (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत ,विकल्प रहित वस्तुनिष्ठ दस प्रश्न पूछे जायेंगे । ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समानरुप से पूछे जायेगे ।

खण्ड –ब (व्याख्यात्मक भाग) **65 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (व्याख्याएँ) शत–प्रतिशत विकल्पो के साथ पूछे जायेग । इसमें से प्रत्येक का उत्तर 400शब्दो में देना होगा प्रत्येक प्रश्न के लिए 13 –13 अंक निर्धारित है । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से होगा –

(क) मुद्राराक्षसम् के प्रथम एवं द्वितीय अंक मे से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ
पूछी जायेगी । **13 अंक**

(ख) मुद्राराक्षसम् के तृतीय,चतुर्थ ,पंचम अंक में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ
पूछी जायेगी । **13 अंक**

(ग) मुद्राराक्षसम् की विषयवस्तु पर आधारित विकल्प सहित एक प्रश्न– **13 अंक**

(ध) नाट्यशास्त्र के प्रथम एवं द्वितीय अध्याय की कारिकाओं मे से किन्ही दो कारिकाओं की संस्कृत व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी । **13 अंक**

(ड.) नाट्यशास्त्र मे विवेचित नाट्योत्पत्ति , प्रेक्षागृह मत्तवारणी ,नाट्य –प्रयोजन , रंगशीर्ष , नाट्यवृत्तियाँ ,
अध्यायों का सार । **13 अंक**

सहायक पुस्तकें –

(1) नाट्यशास्त्र – सम्पा . एवं व्याख्या – श्री बाबू लाल शुक्ल काशी हिन्दू वि. वि. वाराणासी
(2) भरत और भारतीय नाट्यकला – डॉ .अयोध्याप्रसाद सिंह
(3) मुद्राराक्षसम् – विशाखदत्त
(4) संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ . बलदेव उपाध्याय